मेमू टेनों से जुड़ेंगे सौ किमी. दायरे के स्टेशन

## फरुखाबाद, लखनऊ, झांसी व इटावा का केंद्र होगा कोपरगंज मेमू जंक्शन 22

Enlarge Image

कानपुर, जागरण संवाददाता : महानगर के रेलवे स्टेशनों के 100 किमी के दायरे में आने वाले स्टेशनों तक मेमू ट्रेनें चलाने के लिए हरी झंडी मिल गई है। मेमू ट्रेनों का वर्कशाप, उनके रखरखाव की जगह भी तलाश ली गई है। पूवरेत्तर रेलवे गोरखपुर से पिछले माह उत्तर मध्य जोन इलाहाबाद को वरदान में मिले कोपरगंज मालगोदाम को ही मेमू जंक्शन बनाने की तैयारी है। अभी ये गोदाम डेढ़ दशक से बंद पड़ा है। 1मेमू जंक्शन और वर्कशॉप के लिए पिछले एक वर्ष से कवायद चल रही है, पहले बाबूपुरवा की ओर रेलवे मैदान और फिर निराला नगर की रेलवे भूमि पर योजना बनाई गई लेकिन उसी दौरान अनवरगंज स्टेशन उत्तर मध्य जोन को मिल गया। ये स्टेशन पहले पूवरेत्तर रेलवे गोरखपुर के अधीन था। अनवरगंज स्टेशन के साथ ही कोपरगंज में सीपीसी रेलवे गोदाम के बगल में मालगोदाम भी मिल गया। अब इस मालगोदाम को ही जंक्शन के रूप में विकसित किया जाएगा। दरअसल जितनी तेजी से कानपुर और उसके आसपास आबादी बढ़ी है, इस लिहाज से रेल सेवा नहीं है। लंबी दूरी की ट्रेनों में सीट नहीं मिलती और सड़क मार्ग का हाल बुरा है। ऐसे में कानपुर को केंद्र बनाकर गाजियाबाद की तर्ज पर शटल व मेमू ट्रेनें चलाने की योजना मंजूर हो चुकी है।1सारे रेलमार्ग का लिंक मिला : कोपरगंज के इस मालगोदाम से सभी रेलमार्गों का लिंक मिल जाएगा क्योंकि जूही यार्ड से ही सारे रूट मिल जाएंगे। यहीं से फरुखाबाद, झांसी, घाटमपुर, इटावा, लखनऊ और फतेहपुर तक मेमू यहीं से रूट तय करके चलेंगी। अभी बाराबंकी, लखनऊ से मेमू कानपुर सेंट्रल, कल्याणपुर, पनकी तक दौड़ रही हैं।1बोले अधिकारी1मेमू वर्कशाप के लिए मालगोदाम को फिलहाल चुना गया है, अधिकारी सर्वे भी कर चुके हैं। 1 -विजय कुमार,1 मुख्य जनसंपर्क अधिकारी, उत्तर मध्य जोन।4>>कोपरगंज में वर्कशाप, यहीं से मेमू ट्रेनों को रूट पर भेजा जाएगा